>

Title: Need to revive the closed units of Fertilizers Corporation of Indian Limited in Gorakhpur and other parts of the Country.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : देश में हरित क्रंति की सफलता में भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की महति भूमिका रही है, परन्तु प्रबन्ध तंत्र की उदासीनता तथा केन्द्र की विभिन्न सरकारों द्वारा भी पर्याप्त ध्यान न देने के कारण आज पूरा उपक्रम बन्दी की कगार पर है। भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की गोरखपुर स्थित इकाई 1969 में प्रारम्भ हुई थी, जो एक सामान्य सी दुर्घटना पर 1990 में बन्द हो गयी। उक्त उपक्रम की खराब स्थिति के कारण जहां इससे जुड़े लाखों कर्मचारी तथा मजदूर दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर हैं, वही किसानों को भी समय पर तथा उचित मूल्य पर खाद नहीं मिल पा रही है जिससे भारत जैसे कृषि प्रधान देश में किसानों की स्थिति खराब होती जा रही है। पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है कि खेती का समय आने पर खाद की किल्लत किसानों को उठानी पड़ रही है जिसकी परिणति अन्ततः किसानों को आत्महत्या करके चुकानी पड़ रही है।

अतः मैं केन्द्रीय उर्वरक एवं रसायन मंत्री से अनुरोध करता हूं कि भारतीय उर्वरक निगम लिमिटेड की बन्द पड़ी गोरखपुर समेत सभी इकाईयों के पुनरूद्धार की व्यवस्था की जाए तथा इन इकाइयों को स्थापित करते समय जो जमीन अधिग्रहित की गई थी उसका सम्पूर्ण उपयोग औद्योगिक इकाईयों को स्थापित करने में ही किया जाए।